अनुवाद अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा

पाठ्यक्रम

(LOCF के अनुसार)

ज्ञान शांति मैत्री

अनुवाद अध्ययन विभाग

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

गांधी हिल्स, वर्धा-442001, महाराष्ट्र, भारत

वेबसाइट: http://www.hindivishwa.ac.in/ ई-मेल : dts.soti@gmail.com

(सत्र 2020-21 से लागू)

पी.जी.डी.टी. कार्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

1. **विभाग/केंद्र का नाम :** अनुवाद अध्ययन विभाग
   (Name of the Department/Centre) : Department of Translation Studies

2. **कार्यक्रम का नाम : अनुवाद अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा**
   (Name of the Programme) : Post Graduate Diploma in Translation Studies.

3. **कार्यक्रम कोड : PGDT**
   (Code of the Programme):

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी :

1. अनुवाद के स्वरुप, सिद्धांत, प्रकार, प्रविधि एवं अभिगमों की जानकारी।

2. विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद का अनुप्रयोग एवं उनकी जानकारी।

3. मशीन का अनुवाद में प्रयोग।

4. भाषा के व्याकरण एवं संरचना का बोध।

कौशल/दक्षता संबंधी :

5. अनुवाद कर्म में दक्षता।

6. अनुवाद समीक्षा एवं मूल्यांकन में कुशलता।

रोजगार संबंधी :

7. सरकारी/सार्वजनिक /निजी क्षेत्रों के उपक्रमों में अनुवादक तथा राजभाषा अधिकारी के रूप में कार्य।

8. स्वतंत्र व्यावसायिक अनुवादक के रूप में कार्य।

5. **कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :**
   - प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
   - क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
   - शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	पाठ्यचर्या कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	कुल क्रेडिट
प्रथम	PGDT-101	अनुवाद चिंतन की परंपरा (Tradition of Translation Thoughts)	04	20
	PGDT-102	अनुवाद सिद्धांत (Theories of Translation)	04	
	PGDT-103	भाषा एवं भाषा संरचना (Language and Language Structure)	04	
	PGDT-104	अनुवाद व्याकरण (Translation Grammar)	04	
	PGDT-105	मशीन अनुवाद (Machine Translation)	04	
द्वितीय	PGDT-201	अनुवाद: अभिगम एवं पद्धतियाँ (Translation: Approaches & Methods)	04	20
	PGDT-202	अर्थ मीमांसा (Semantics & Pragmatics)	04	
	PGDT-203	अनुवाद : समीक्षा एवं मूल्यांकन (Translation: Review and Evaluation)	04	
	PGDT-204	अनुवाद : प्रकार एवं क्षेत्र (Translation: Types and Domains)	04	
	PGDT-205	परियोजना कार्य (60 घंटे का अनुवाद/आशु अनुवाद का अभ्यास एवं न्यूनतम 16000 शब्दों का अनुवाद कार्य) (Project work: Minimum 60 hours of Translation/Interpretation practice & Translation work of minimum 16000 words)	04	
			कुल क्रेडिट	40

1. पाठ्यचर्या का नाम: अनुवाद चिंतन की परंपरा
(Name of the Course) : Tradition of Translation Thoughts

2. पाठ्यचर्या का कोड: PGDT-101
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	0
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)**:** इस पाठ्यचर्या में अनुवाद चिंतन की परंपरा से संबंधित मोड्युल शामिल हैं। इस पाठ्यचर्या में विभिन्न कालों में अनुवाद चिंतन एवं चिंतकों से परिचय कराया जाएगा। इस पाठ्यचर्या में अनुवाद विद्या के इतिहास से परिचय एवं एक अनुशासन के रूप में अनुवाद विद्या के अध्ययन के बारे में चर्चा की जाएगी।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

i. अनुवाद कर्म के इतिहास एवं विकास के बारे में जानेंगे।
ii. अनुवाद चिंतन के क्रमिक विकास से परिचित होंगे।
iii. अनुवाद विद्या के विकास की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
1.	अनुवाद की परंपरा : एक परिचय अनुवाद की भारतीय परंपरा : एक परिचय अनुवाद की पश्चिमी परंपरा : एक परिचय	4	**1**	2	7	25%
3.	प्राचीन काल में अनुवाद - पश्चिम में अनुवाद - भारत एवं शेष विश्व	2	1	1	4	
4.	मध्यकाल - पूर्व मध्यकाल - उत्तर मध्यकाल	3			3	
5.	आधुनिक काल - पुनर्जागरण काल - 17वीं एवं 18वीं शताब्दी - 19वीं शताब्दी - 20वीं का पूर्वाध - 20वीं का उत्तरार्ध एवं 21वीं सदी	5			5	
6.	- प्राचीन भारत में अनुवाद - अशोक के आरामाइक शिलालेख - बौद्ध ग्रन्थों के चीनी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद	2		1	3	25%
7.	मध्यकालीन भारत में अनुवाद - पूर्व मध्यकालीन भारत में अनुवाद	2			2	

	- उत्तर मध्यकाल और मुगलकाल में अनुवाद - अरबी और फारसी ग्रंथों का अनुवाद					
8.	आधुनिक भारत काल में अनुवाद - स्वतंत्रता पूर्वकालीन अनुवाद - भारतीय भाषाओं से अंग्रेजी एवं अन्य योरोपीय भाषाओं में अनुवाद - स्वातंत्र्योत्तर अनुवाद	3			3	
9.	प्राचीन अनुवाद चिंतन एवं चिंतक - होरास (Horace), -किकेरो (Cicero) - जेरोम (Jerome) - अल्फ्रेड (King Alfred)	2			2	
10.	मध्यकालीन अनुवाद चिंतक - जॉन वाईक्लिफ (John Wycliffe) - एतिएन्न डोले (Étienne Dolet) - मार्टिन लूथर (Martin Luther) - जॉर्ज चैपमान(George Chapman), - जॉन ड्राईडेन (John Dryden) - अलेक्सेंडर फ्रेज़र टाइटलर (Alexander Fraser Tytler) आदि	4			4	25%
11.	आधुनिक अनुवाद चिंतन एवं चिंतक - एम. ए. हैलिडे, -जे.सी. कैटफोर्ड, -यूजेन नाइडा, - पीटर न्यूमार्क, - जॉर्ज स्टेनर आदि	4		1	5	
12.	भारतीय अनुवाद चिंतन एवं चिंतक - बौद्ध एवं जैन अनुवाद चिंतन एवं चिंतक - नवलराम का अनुवाद सिद्धांत और रस - श्री अरबिंदो का अनुवाद सिद्धांत	5	1	1	7	
13.	पौराणिक ग्रंथों का अनुवाद बाइबल के अनुवाद का इतिहास रामायण एवं महाभारत का अनुवाद	5			5	
14.	तुलनात्मक साहित्य की शुरुआत - बीसवीं शताब्दी का उत्तरार्ध और अनुवाद - अनुवाद अध्ययन का विद्यानुशासन/शास्त्रानुशासन के रूप में विकास	4	1	1	6	25%
15.	यूरोप और अमेरिका में अनुवाद विद्या का विकास - अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुवाद अध्ययन की विश्वविद्यालयों में स्थापना - भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुवाद अध्ययन की शिक्षा	3		1	4	
योग		**48**	**4**	**8**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
3. उपर्युक्त पाठ्यचर्या में अध्यापक/शिक्षक आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसारण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगम (actional) आदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	कंप्यूटर समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (Flipped Classroom) , ब्लेंडेड अधिगम (Blended learning) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, ICT उपादान, कंप्यूटर प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	-	-	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)	**मौखिकी (20%)**

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Venuti, Lawerence. (ed.) (2000, 2012). *The Translation Studies Reader*. NY: Routledge. 2. Kuhiwczak, Piotr & Littau, Karin. (ed.) (2007). *A Companion to Translation Studies*. Toronto: Multilingual Matters Ltd. 3. Nida, A, Eugene & Taber, Charles. (1982). The Theory and Practice of Translation. Leiden: Brill. 4. Munday, Jeremy. (2001). *Introducing Translation Studies: Theories and Applications*. NY: Routledge.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Baker, Mona. (ed.) (1998, 2001). *Routledge Encyclopaedia of Translation Studies*. NY: Routledge.
3	ई-संसाधन	https://www.youtube.com/watch?v=erRbzFuOiQs https://www.youtube.com/watch?v=uQUDGge0oGA
4	अन्य	शिक्षक द्वारा उपलब्ध करायी गयी सामग्री

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(अधिष्ठाता)

अनुवाद सिद्धांत
(Theories of Translation)

1. पाठ्यचर्या का नाम: अनुवाद सिद्धांत
(Name of the Course) : Theories of Translation

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	34
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	18
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: PGDT-102
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

इस पाठ्यचर्या में अनुवाद सिद्धांत, सिद्धांतों के व्यवहारिक अनुप्रयोग संबंधी बिंदु समाविष्ट हैं। पाठ्यचर्या में विभिन्न पाठों के माध्यम से अर्थ विचार,वाक्य विचार तथा संदर्भ मीमांसा और संप्रेषण सिद्धांत अनुवाद सिद्धांत के लिए किस प्रकार अनिवार्य हैं, यह स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है। अनुवाद सिद्धांत के विकासक्रम उसके वर्तमान स्वरूप, विभिन्न विद्वानों के अनुवाद सैद्धांतिकी संबंधी विचारों अनुवाद-मूल्यांकन, परीक्षण अथवा सैद्धांतिकी के संबंध को पाठ्यचर्या में शामिल किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

1. अनुवाद संबंधी ज्ञान एवं कौशल का विकास होगा।
2. अधिगमकर्ता अनुवाद करते समय सिद्धांतों का प्रयोग कर सकेंगे।
3. अधिगमकर्ता अपना मत प्रस्तुत कर सकेंगे।
4. अधिगमकर्ता में विवेचन एवं विश्लेष्ण एवं संप्रेषण कौशल का विकास होगा
5. अधिगमकर्ता अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार/स्वरोजगार प्राप्त करने में सक्षम होगा।
6. अधिगमकर्ता में आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
1.	अनुवाद : अर्थ,परिभाषा और स्वरूप	2		1	3	5%
2.	अनुवाद की प्रकृति एवं सैद्धांतिकी	2		1	3	5%
3.	अनुवाद सैद्धांतिकी : प्रारंभिक चिंतन (पाश्चात्य) -एलेग्जेंडर फ्रेजर टिटलर -ए.डब्ल्यू.श्लेगल -लौंगफेलो -क्रोचे तथा वेलरी -मैथ्यू आर्नल्ड-बाईबिल के अनुवाद संबंधी मत -फेदोरोव लिपजिंग स्कूल (भारतीय)	3			3	5%
4.	**अनुवाद चिंतक एवं सिद्धांत** 1. कैटफ़र्ड बोधन और व्याख्या मूल भाषा पाठ(शब्द प्रति शब्द अनुवाद) लक्ष्य भाषा पाठ अभिव्यक्ति	10		05	15	25%

	2. नाईडा (परोक्ष प्रक्रिया प्रारूप) - विश्लेष्ण - संक्रमण -पुनर्गठन -लक्ष्यभाषा पाठ 3. पीटर न्युमार्क -पाठविश्लेष्ण -संदेशातरण -लक्ष्यभाषा में अभिव्यक्ति की स्थिति 4. हैलिडे 5. बाथगेट -मूलभाषा पाठ -समन्वयन -विश्लेष्ण -बोधन -पारिभाषिक अभिव्यक्ति -पुनर्गठन -पुनरीक्षण -पर्यालोचन -लक्ष्यभाषा पाठ 6. रोमन योकोब्सन					
05	**अनुवाद के प्रमुख सिद्धांत** समतुल्यता का सिद्धांत प्रतीक सिद्धांत संप्रेषण सिद्धांत	3		1	4	7%
06	भारतीय एवं भारतेतर अनुवाद चिंतन	2		1	3	5%
07	अनुवाद की प्रक्रिया और सैद्धांतिकी अनुवाद विश्लेष्ण एवं अनुवाद मूल्यांकन में अनुवाद सैद्धांतिकी का योगदान	2		1	3	5%
08	अनुवाद की युक्तियाँ और अनुवाद सैद्धांतिकी लिप्यंतरण शब्द प्रति शब्द अनुवाद शब्दस्तरीय पर्यायता घटकीय विश्लेष्ण स्वभाषीकरण प्राधिकृत पर्याय सांस्कृतिक पर्याय गठनात्मक संवादिता गठनांतरण अनुवाद परिवृति प्रभावसमता/सममूलकता अनुवाद लेबल अनुवाद युग्मक परिभाषात्मक अनुवाद संशोधनात्मक अनुवाद क्षतिपूर्ति अनुवाद युक्तियों और अनुवाद सैद्धांतिकी का सहसंबंध	10		05	15	25%
09	अभ्यास केन्द्रित अनुवाद सिद्धांत: अनुप्रयोग	08		03	11	18%
योग		41		19	60	100%

टिप्पणी:

1 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2 प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

3 उपर्युक्त पाठ्यचर्या में अध्यापक/शिक्षक आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसारण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगम (actional) आदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	कंप्यूटर समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (Flipped Classroom) , ब्लेंडेड अधिगम (Blended learning) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, ICT उपादान, कंप्यूटर प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

1. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)	**मौखिकी (20%)**

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. गोपीनाथन, जी. (2008). *अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग.* नयी दिल्ली : लोकभारती प्रकाशन. 2. गुप्ता, विभा. (2007). अनुवाद के भाषिक पक्ष. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 3. गोस्वामी, के.के. (2012). अनुवाद विज्ञान की भूमिका. नयी दिल्ली : राजकमल. 3. जगन्नाथन, वी.रा. प्रयोग और प्रयोग. दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस. 4. ब्रजमोहन. भाषा और व्यवहार. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Savory, Theodore Horace. (1968). *Art of Translation*. London: Jonathan Cape Ltd. Jay, Martin. (1998). *Cultural Semantics*. USA: University of Massachusetts Press. Portner, Paul. & Partee, Barbara H. (2002). *Formal Semantics: The Essential Readings*. USA: Wiley-Blackwell. Baker, Mona. (1992). *In Other Words - A coursebook in translation.* London: Routledge.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	शिक्षक द्वारा उपलब्ध करायी गयी सामग्री

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(अधिष्ठाता)

1. पाठ्यचर्या का नाम: भाषा एवं भाषा संरचना
(Name of the Course): Language and Language Structure

2. पाठ्यचर्या का कोड: PGDT-103
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** प्रथम
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	37
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	13
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) **:** इस पाठ्यचर्या में भाषा एवं उसकी संरचना से संबंधित मॉड्यूल शामिल हैं। इस पाठ्यचर्या में भाषा संरचना, भाषा के विभिन्न घटक; ध्वनि, शब्द, वाक्य, पदबंध, प्रोक्ति एवं अर्थ आदि का अध्ययन व अभ्यास किया जाएगा। साथ ही भाषा के रूप, अनुवाद और भाषा संरचना और पाठ विश्लेषण का बोध कराया और अनुप्रयोग सिखाया जाएगा।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):
i. भाषा और भाषा के विविध रूपों का ज्ञान व बोध।
ii. भाषा के विभिन्न घटकों का ज्ञान और बोध
iii. भाषा संरचना का ज्ञान व बोध और अनुवाद कर्म में उनका अनुप्रयोग।
iv. अनुवाद व्याकरण का ज्ञान, बोध और अनुप्रयोग।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला ..		
1	1. भाषा की परिभाषा 1.1. भाषा का महत्व 1.2. भाषा के विविध रूप 1.2.1. सामान्य व्यवहार की भाषा 1.2.2. मानक भाषा या राजभाषा 1.2.3. कार्यालयीन भाषा 1.2.4. साहित्यिक भाषा	2	1	1	4	10
2	2.1. भाषा के प्रमुख घटक : सामान्य परिचय 2.1.1.शब्द और पद 2.1.2. वाक्य 2.1.3. प्रोक्ति 2.1.4. अर्थ	3		1	4	5
3	3.1. ध्वनि संरचना 3.1.1. परिचय एवं वर्गीकरण	4	1	1	6	20

	3.1.2. स्वर ध्वनि अध्ययन 3.1.3. व्यंजन ध्वनि अध्ययन 3. 2. हिंदी भाषा की रूप संरचना 3.2.1. हिंदी संज्ञा 3.2.2. हिंदी सर्वनाम 3.2.3. हिंदी विशेषण 3.2.4. हिंदी क्रिया : लिंग, वचन, पुरुष अन्विति 3.3.1. हिंदी पदबंध: संरचना और प्रकार 3.3.2. हिंदी उपवाक्य : संरचना और प्रकार 3.3.3. हिंदी वाक्य : संरचना और प्रकार					
4	4. शब्द संरचना : परिचय एवं वर्गीकरण 4.1. प्रत्यय योजन : उपसर्ग – प्रत्यय 4.2. लिंग 4.3.कारक 4.4. समास	4	1	1	6	10
5	5. पद संरचना 5.1. स्वनिम संरचना 5.2. रूपिम संरचना	2	1	1	4	05
6	6. वाक्य संरचना 6.1. वाक्य के अवयव/घटक 6.2. अन्विति	4	1	1	6	10
7	7. प्रोक्ति संरचना 7.1. पाठ 7.2. संदर्भ 7.3. प्रकार्य	4	1	1	6	10
8	8. अर्थ संरचना 8.1. शब्द और अर्थ का संबंध 8.1.1. भारतीय दृष्टि 8.1.2. पाश्चात्य दृष्टि 8.2. संदर्भ और अर्थ	4	1	1	6	10
9	9. भाषा संरचना एवं अनुवाद 9.1. अनुवाद में भाषा विज्ञान की भूमिका 9.2. भाषा संरचना का ध्वनिगत पक्ष और अनुवाद 9.3. भाषा संरचना का शब्दगत पक्ष और अनुवाद 9.4. भाषा संरचना का पदगत (रूपगत) पक्ष और अनुवाद 9.5. भाषा संरचना का ध्वनिगतपक्ष और अनुवाद 9.6. भाषा संरचना का वाक्यगत पक्ष और अनुवाद 9.7. भाषा संरचना का अर्थगत पक्ष और अनुवाद	4	1	1	6	10
10	10.1. पाठ की भाषिक/आर्थिक संरचना का विश्लेषण/अध्ययन 10.2. भाषा संरचना और अनुवाद की चुनौतियाँ 10.2.1. अनुवाद की भाषा और व्याकरण	3	1	1	5	10
योग		**37**	**10**	**13**	**60**	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
3. उपर्युक्त पाठ्यचर्या में अध्यापक/शिक्षक आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसारण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगम (actional) आदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	कंप्यूटर समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (Flipped Classroom) , ब्लेंडेड अधिगम (Blended learning) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, ICT उपादान, कंप्यूटर प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	**X**	**X**	-	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)	**मौखिकी (20%)**

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	सिंह, सुरजभान. (2008). *हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना.* दिल्ली : साहित्य सहकार. सिंह, सुरजभान. (2000). अंग्रेजी-*हिंदी अनुवाद व्याकरण.* दिल्ली: प्रभात प्रकाशन. ब्रजमोहन. *भाषा और व्यवहार.* नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. पांडे, हेमचन्द्र. (2006). *भाषा स्वरूप और संरचना.* दिल्ली: ग्रंथालोक. जगन्नाथन, वी.रा. *प्रयोग और प्रयोग.* दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस. गुप्ता, विभा. (2007). *अनुवाद के भाषिक पक्ष.* नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	वाजपेयी, आचार्य किशोरीदास. *भारतीय भाषा विज्ञान.* नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ. *हिंदी भाषा की संरचना के विविध आयाम.* दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन. कुमार सुरेश. *हिंदी भाषा तथा भाषाविज्ञान.* दिल्ली: आलेख प्रकाशन. गुरू, कामता प्रसाद. *हिंदी व्याकरण.* नई दिल्ली: प्रकाशन संस्थान.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	शिक्षक द्वारा उपलब्ध करायी गयी सामग्री

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(अधिष्ठाता)

अनुवाद व्याकरण

(Translation Grammar)

1 पाठ्यचर्या का नाम: अनुवाद व्याकरण

(Name of the Course) : Translation Grammar

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	37
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	13
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2 पाठ्यचर्या का कोड: PGDT-104

(Code of the Course)

3 क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: प्रथम**

(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): पाठ्यचर्या के अंतर्गत दो भाषाओं की भाषा सरंचना, अभिव्यक्तियों, मुहावरों, सरंचना नियमों और भाषा व्यवहार संबंधी व्यतिरेकी अध्ययन को शामिल किया गया है| भाषा के समान-असमान स्तरों की पहचान कैसे की जाती है , उनका तुलनात्मक विश्लेषण किस तरह संभव है और अनुवाद के लिए संभावित पर्यायों का चयन कैसे किया जा सकता है आदि पर चर्चा की गई है। ध्वनि,लिपि,संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया आदि के आधार पर व्यतिरेकी विश्लेषण को समझाने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही हिंदी भाषा का विकास,त्रुटि विश्लेषण आदि महत्वपूर्ण बिन्दुओं का समावेश किया गया है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

i. विद्यार्थी में भाषाई कौशल का विकास होगा।
ii. व्यतिरेकी अध्ययन द्वारा भाषाओं के आपसी संबंध को जान पाएंगे।
iii. विद्यार्थी भाषा अध्ययन संबंधी नई शैलियों से परिचित होंगे ।
iv. पाठ्यचर्या का संबंध स्नातकोत्तर अनुवाद अध्ययन की अन्य पाठ्यचर्याओं से है।
v. विद्यार्थी में आलोचनात्मक एवं तार्किक दृष्टि का विकास होगा।
vi. विद्यार्थी में अनुवाद कौशल का विकास होगा।
vii. अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार/स्वरोजगार प्राप्त कर सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
01	व्याकरण का अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप अनुवाद व्याकरण का अर्थ परिभाषा, महत्व और स्वरूप	03			3	5%
02	भाषाविशिष्ट बनाम संप्रेषणपरक व्याकरण व्यतिरेकी विश्लेषण विकल्प विश्लेषण	03			3	5%
03	**भाषा के घटक** शब्द और पद वाक्य प्रोक्ति अर्थ	03			3	5%
04	**अनुवाद व्याकरण के घटक-** शब्द और अर्थ का संबंध अर्थविज्ञान और अनुवाद व्याकरण व्याकरण,व्यतिरेकी विश्लेषण	10		05	15	25%

	विकल्प विश्लेषण स्त्रोत भाषा व्याकरण लक्ष्य भाषा व्याकरण					
05	**व्यतिरेकी विश्लेषण:** ध्वनि,लिपि,संज्ञा,सर्वनाम, क्रिया के आधार पर व्यतिरेकी विश्लेषण व्यतिरेकी विश्लेषण पद्धति का विकास व्यतिरेकी विश्लेषण का स्वरूप	03			3	5%
06	**व्यतिरेकी विश्लेषण की तकनीक**	03			3	5%
07	ऐतिहासिक और तुलनात्मक भाषा विज्ञान	03			3	5%
08	त्रुटि विश्लेषण और अनुवाद	03			3	5%
09	हिंदी की व्याकरणिक विशेषताएं	03			3	5%
10	पाठ की व्याकरणिक सरंचना स्त्रोत भाषा पाठ और लक्ष्य भाषा पाठ की व्याकरणिक सरंचना	03			3	5%
11	स्त्रोत भाषा व्याकरण लक्ष्य भाषा व्याकरण व्यतिरेकी अध्ययन	10		05	15	25%
12	अभ्यास दो भाषाओं का व्यतिरेकी अध्ययन	03			3	5%
योग		50		10	60	100%

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
3. उपर्युक्त पाठ्यचर्या में अध्यापक/शिक्षक आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

8. **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, एकीकृत उपागम,
विधियाँ	निगमनात्मक विधि, कथनविधि, व्याख्यान विधि, दृष्टांत विधि, संवाद विधि, शोध आलेखों की समीक्षा, संगोष्ठी/परिचर्चा, व्यष्टि अध्ययन, व्याख्यान-सह-चर्चा,केंद्रित समूह चर्चा, परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
तकनीक	ऑडियो वीडियो व्याख्यान, कहूट के माध्यम से प्रश्नोत्तर क्विज, ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट), अभ्यास, वार्तालाप
उपादान	कंप्यूटर, पाठ्यपुस्तक, पत्र-पत्रिकाएँ, सहायक पुस्तकें, श्यामपट्ट, चित्र, गूगल बुक्स, विकिबुक्स आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम	X	-	-	X	X	-	X	-

परिणाम की प्राप्ति								

टिप्पणी:

1 X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• सिंह,सूरजभान. (2006).अंग्रेजी हिंदी अनुवाद व्याकरण.प्रभात प्रकाशन. • ब्रजमोहन.(2006). भाषा और व्यवहार.नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन • मेहरोत्रा,रमेश चंद्र. (2005). मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण. नई दिल्ली: अरुणोदय प्रकाशन. • तरुण,हरिवंश.(2005). मानक हिंदी व्याकरण और रचना.नई दिल्ली: प्रकाशन संस्थान. • कपूर,बद्रीनाथ.(2008).वाक्य-संरचना और विश्लेषण:नए प्रतिमान.नई दिल्ली: राधाकृष्णन प्रकाशन. • सिंह, सुरजभान. (2008). हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना, दिल्ली: साहित्य सहकार. • John, Benjamins. (2011). Advances in Interpreting Research,.Netherlands: Publishing Co. • Young, Alys & Temple .(2014). Approaches to Social Research.The case of Deaf Studies. United States. Bogusia: Oxford University Press. • Edwin,Gentzler.(2001).Contemporary Translation Theories. Multilingual Matters Ltd. • Krohn, Kaarle & Krohn Julius. (1981). Folkore Methodology. University of Texas Press

		• Christopher and Schutz. Heinrch (1999).Foundations of Statistical Natural Language Processing. Manning MIT Press
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Bassnett, S. (1980, 1991, 2002/2013). Translation Studies.London and NewYork: Routledge. • Bassnett, S. and P. Bush (eds) (2006). The Translator as Writer.London:Continuum • Bassnett, S. and A. Lefevere (eds).(1990) Translation. History and Culture. London and New York: Pinter • Bassnett, S. and H. Trivedi . (1999).Post-colonial Translation: Theory andPractice. London and New York: Routledge. • Bastin, G. and P. Bandia (2006). Charting the Future of Translation History: Current Discourses and Methodology.Ottawa: Ottawa University Press • Benjamin, A. (1989). Translation and the Nature of Philosophy: A New Theory ofWords. London and New York: Routledge. • Bell, R. (1991). Translation and Translating: Theory and Practice. London andNew York: Longman
3	ई-संसाधन	• https://www.academia.edu/35098158/Introducing_Translation_Studies_Theories_and_Applications • https://www.academia.edu/17034424
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(अधिष्ठाता)

मशीन अनुवाद
(Machine Translation)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	46
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	9
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम: मशीन अनुवाद
(Name of the Course): Machine Translation

2. पाठ्यचर्या का कोड: PGDT-105
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course**):** यह पाठ्यचर्या अनुवाद के मशीनी पक्ष से संबंधित है। इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत मशीनी अनुवाद की अवधारणा, विकास एवं प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। मशीन अनुवाद के विभिन्न घटकों, पद्धतियों एवं प्रक्रियाओं से हम परिचित होंगे । मशीन अनुवाद के विभिन्न चुनौतियों एवं समस्याओं से हम परिचित होंगे तथा उनका निराकरण किस तरह से किया जाए इस पर विचार करेंगे।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

i. मशीन अनुवाद के सैद्धांतिक पक्ष से परिचय
ii. मशीन अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रणालियों की जानकारी
iii. मशीन अनुवाद की पद्धतियों एवं चुनौतियों से परिचय
iv. मशीन अनुवाद के विभिन्न सॉफ्टवेयर एवं प्लेटफार्म के प्रयोग में दक्षता

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
1	1.1. मशीन अनुवाद : संकल्पना एवं अवधारणा 1.2 मशीन अनुवाद का विकास	02			**02**	10%
2	2. मशीन अनुवाद की प्रणालियाँ 2.1. वर्तमान में प्रचलित मशीन अनुवाद की प्रणालियाँ 2.2. भारत में विकसित मशीन अनुवाद की प्रणालियाँ	**03**			**03**	10%
3	3.1. मशीन अनुवाद के विभिन्न सॉफ्टवेयर एवं टूल्स 3.2. मशीन अनुवाद के विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्म 3.2.1. Google, FaceBook आदि	**02**	1	2	**05**	10%
4	4.1. मशीन अनुवाद की प्रक्रिया 4.1.1. पाठ इनपुट (निविष्ट) 4.1.2. पूर्व संपादन तथा पश्च संपादन	**02**			**02**	10%
5	5. मशीन अनुवाद के प्रकार 5.1. मशीन साधित मानव अनुवाद (MAHT) 5.2. मानव साधित मशीन अनुवाद (HAMT) 5.3. स्वचालित मशीनी अनुवाद (AMT)	10	1	1	12	15%
6	6. मशीनी अनुवाद की पद्धतियाँ	09	1	2	12	15%

	6.1. नियम आधारित मशीन अनुवाद पद्धति 6.1.1 प्रत्यक्ष पद्धति 6.1.2. विश्लेषण-अंतरण पद्धति (ATS) 6.2. कार्पस आधारित मशीन अनुवाद पद्धति 6.2.1. उदहारण आधारित पद्धति 6.2.2. सांख्यिकीय आधारित पद्धति 6.3. संकल्पना आधारित मशीन अनुवाद पद्धति 6.3.1. अंतर-भाषिक या इंटरलिंगुआ पद्धति 6.3.2. यूनिवर्सल नेटवर्किंग लैंग्वेज पद्धति (UNL) 6.4. संकर पद्धति 6.5. न्यूरल पद्धति 6.5.1. गूगल न्यूरल मशीन अनुवाद पद्धति					
7	**मशीनी अनुवाद की चुनौतियाँ** 7.1. विभिन्न स्तरों पर मशीनी अनुवाद की चुनौतियाँ 7.1.1 पद के स्तर पर 7.1.2. पदबंध के स्तर पर 7.1.3. वाक्य के स्तर पर 7.2. द्विअर्थकता/बहुअर्थकता 7.3. बहु-शब्दीय अभिव्यक्तियाँ 7.4. विचलन (डायवर्जंस) 7.5. नेम्ड एंटिटी रिकॉग्निशन	09	1	2	12	15%
8	**मशीनी अनुवाद के घटक** 8.1. मशीन अनुवाद के भाषिक पक्ष 8.2. व्याकरण सृजन 8.3. सामग्री विश्लेषण 8.4. अंतरण व्याकरण 8.5. लेक्सिकन व्याकरण 8.6. लक्षणों का निर्धारण	09	1	2	12	15%
योग		**46**	**5**	**09**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
3. उपर्युक्त पाठ्यचर्या में अध्यापक/शिक्षक आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसारण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगम (actional) आदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	कंप्यूटर समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (Flipped Classroom) , ब्लेंडेड अधिगम (Blended learning) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, ICT उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, कंप्यूटर प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	X	-	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Arnold, Douglas. et al. (1994). *Machine Translation: An Introductory Guide*. Oxford: NCC Blackwell Ltd. 2. Wilks, Yrick. (2009). *Machine Translation: Its scope and limits.* New York: Springer. 3. Bhattacharyya, Pushpak. (2015). *Machine Translation*. London: CRC Press. 4. Goute, Cyril., Cancedda, Nicolas., Dymetman, Marc. & Foster, George. (2009). *Learning Machine Translation*. Massachusetts: The MIT Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. 1. Koehen, Philippe. (2020). *Neural Machine Translation*. Cambridge: CUP.
3	ई-संसाधन	https://www.youtube.com/watch?v=yu9gLQtPySQ&t=5s
4	अन्य	शिक्षक द्वारा उपलब्ध करायी गयी सामग्री

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(अधिष्ठाता)

1. पाठ्यचर्या का नाम: अनुवाद : अभिगम एवं पद्धतियाँ

(Name of the Course): Translation: Approaches & Methods

2. पाठ्यचर्या का कोड: PGDT-201

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**

(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**24**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	24
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)**:** इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत अनुवाद अभिगम एवं पद्धति से संबंधित मोड्यूल हैं। पाठ्यचर्या में अनुवाद प्रक्रिया से परिचय व इस संबंध में विभिन्न विद्वानों के विचार तथा उनके द्वारा प्रस्तावित प्रक्रियागत मॉडल को बताने के साथ ही अनुवाद अभिगम, पद्धति व अनुवाद रणनीति के बारे में जानेंगे एवं उसका अभ्यास भी करेंगे।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

i. अनुवाद प्रक्रिया से परिचय तथा उसके सैद्धांतिक मॉडल की जानकारी और अनुवाद कर्म में उनका अनुप्रयोग।
ii. अनुवाद प्रविधि का ज्ञान और बोध।
iii. अनुवाद अभिगमों के संप्रत्यात्मक मॉडल का बोध।
iv. अनुवाद रणनीति और अनुवाद के विभिन्न चरणों की जानकारी उनका अनुप्रयोग।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
1	जे. पी. विने एवं जे. दर्बेलने के अनुसार अनुवाद प्रक्रिया/तकनीक : i. उधार या ऋण (Borrowing) ii. काल्क (Calque) iii. शाब्दिक अनुवाद (Literal Translation) iv. स्थानांतरण (Transposition) v. मॉड्युलेशन/मोड्युन (modulation) vi. समतुल्यता या पुनर्निर्माण (Equivalence or Reformulation) vii. अनुकूलन (Adaptation)	**2**	**1**	**2**	**5**	
2	कैटफोर्ड (1965/78) के अनुसार अनुवाद प्रक्रिया : शिफ्ट (Translation Shift)	**2**	**1**	**2**	**5**	
3	यूजीन ए. नाइडा (1969) के अनुसार अनुवाद प्रक्रिया : **i.** रूपात्मक / औपचारिक समतुल्यता (**formal equivalence)** **ii.** गत्यात्मक समतुल्यता (**dynamic equivalence)**	**2**	**1**	**2**	**5**	
4	अन्तोन पोपोविच (**Anton Popovič,** 1975) शिफ्ट **cultural shift**	**2**	**1**	**2**	**5**	

5	**प्रारंभिक काल** **शब्दानुवाद (**word for word translation – literal translation) Faithful translation	**2**	**1**	**2**	**5**	
6	semantic प्रतीकात्मक अनुवाद – अर्थानुवाद – भावानुवाद अनुकूलित (adaptive) अनुवाद मुक्तानुवाद Idiomatic translation मुहावरेदार अनुवाद छायानुवाद	**2**	**1**	**2**	**5**	
7	संप्रेषणपरक अनुवाद Scopos theory प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष विधि	**2**	**1**	**2**	**5**	
8	भाषावैज्ञानिक अभिगम (Lingustic Approach) Vinay, Darbelnet, Austin, Vegliante, Catford and Mounin, Halliday	**2**	**1**	**2**	**5**	
9	समाज-भाषावैज्ञानिक अभिगम तेल अवीव, Annie Brisset, Even Zohar and Guideon Toury.	**2**	**1**	**2**	**5**	
10	संप्रेषणपरक अभिगम (Communicative Approach) D. Seleskovitch and M. Lederer भाष्यपरक एवं व्याख्यात्मक अभिगम (Hermeneutic Approach) जॉर्ज स्टेनर, होमी भाषा	**2**	**1**	**2**	**5**	
11	साहित्यिक अभिगम (Literary Approach) प्रतीकात्मक अभिगम (Semiotic Approach)	**2**	**1**	**2**	**5**	
12	12.1. अनुवाद रणनीति 12.1.1. परिचय एवं आवश्यकता 12.1.2. अनुवाद उद्देश्य का निर्धारण 12.2 अनुवाद के चरण (Jody Byrne, 2006,) Pre-draft, Draft, Post-draft 12.3. निर्णयात्मक बिंदु	**2**	**1**	**2**	**5**	
योग		**24**	**12**	**24**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
3. उपर्युक्त पाठ्यचर्या में अध्यापक/शिक्षक आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसारण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगम (actional) आदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	कंप्यूटर समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (Flipped Classroom) , ब्लेंडेड अधिगम (Blended

	learning) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, ICT उपादान, कंप्यूटर प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14	लक्ष्य 15
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	-	-	-	**X**	**X**	-	-	**X**	**X**	**X**	-	**X**

टिप्पणी:

1. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Venuti, Lawerence. (ed.) (2000, 2012). *The Translation Studies Reader*. NY: Routledge. 2. Kuhiwczak, Piotr & Littau, Karin. (ed.) (2007). *A Companion to Translation Studies*. Toronto: Multilingual Matters Ltd. 3. Nida, A, Eugene & Taber, Charles. (1982). The Theory and Practice of Translation.

		Leiden: Brill. 4. Munday, Jeremy. (2001). *Introducing Translation Studies: Theories and Applications*. NY: Routledge.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Baker, Mona. (ed.) (1998, 2001). *Routledge Encyclopaedia of Translation Studies*. NY: Routledge. 2. Baker, Mona. (2010). *Critical Readings in Translation Studies*. London: Routledge 3. Munday, Jeremy. (2012). *Evaluation in Translation: Critical Points Of Translator Decision-Making*. NY: Routledge. 4. Bassnett, Susan. (1989). *Translation Studies*. London: Routledge 5. Chandhari, Sukanta. (1999). *Translation and Understanding*. London: Oxford University Press
3	ई-संसाधन	https://culturesconnection.com/6-contemporary-theories-to-translation/#:~:text=There%20are%20six%20main%20approaches,approach%20and%20the%20semiotic%20approach.
4	अन्य	शिक्षक द्वारा उपलब्ध करायी गयी सामग्री

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(अधिष्ठाता)

1. पाठ्यचर्या का नाम: अर्थ मीमांसा

(Name of the Course) : Semantics & Pragmatics

2. पाठ्यचर्या का कोड: PGDT-202

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**

(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	0
क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)**:** इस पाठ्यचर्या में अर्थ से संबंधित मोड्युल शामिल हैं। इस पाठ्यचर्या में भाषा के अर्थ संबंधी अवधारणाओं से परिचय कराया जाएगा। इस पाठ्यचर्या में अर्थ की संकल्पना एवं प्रकार, संदर्भ एवं संदर्भगत भावों, अर्थविज्ञान, शब्दिम आदि पर विचार किया जाएगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

i. भाषा में अर्थ की संकल्पना एवं प्रकार के बारे में जानेंगे।

ii. भाषा के अर्थ की अवधारणाओं से परिचित होंगे।

iii. संदर्भ एवं संदर्भगत भावों को समझ सकेंगे।

iv. प्रकरण के अनुसार भाषा प्रयोग का बोध।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल सख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला ..		
1.	लक्ष्यार्थ, संदर्भ एवं आशय अर्थ की संकल्पना लक्ष्यार्थ एवं वाच्यार्थ आशय/उद्देश्य/प्रयोजन (intention) विस्तार/प्रसार (extension) संदर्भ (reference) : परिभाषा एवं प्रकार संदर्भगत भावों का वर्गीकरण (typology of referring expressions) अर्थ : संकल्पना एवं प्रकार वर्णनात्मक, भावात्मक एवं संवेगात्मक आशय एवं प्रसंग	5	**1**	2	8	10%
2.	अनेकार्थता एवं संदिग्धता (Ambiguity and vagueness) अनेकार्थता : परिभाषा एवं प्रकार (वाक्यात्मक,शाब्दिक, कार्यक्षेत्र आदि) शाब्दिक अनेकार्थता की परख, संदिग्धता : परिभाषा एवं वर्गीकरण	4	1	1	6	10%
3.	अर्थविज्ञान : परिभाषा और परिव्याप्ति, अर्थविज्ञान के अभिगम ; रूपात्मक अर्थविज्ञान एवं संज्ञानात्मक अर्थविज्ञान संरचनात्मक शब्दार्थ: स्थैतिक विश्लेषण	4		1	5	10%

	घटक विश्लेषण, भावना घटक, समस्याएं और समालोचना					
4.	शब्द और अर्थ का संबंध, शब्दिम की संकल्पना, अर्थ प्रतिपादन के स्तर: शब्द, प्रकृति और प्रत्यय, बहुशब्दीय अभिव्यक्तियाँ, शब्द और अर्थ का संबंध शब्दीय और अर्थीय की संकल्पना, प्रतिग्यप्ति और सत्यतता मान, पूर्व मान्यता और अनुलग्नता, संकेत प्रयोग विज्ञान वार्तालापगत निहितार्थ और वाक् घटनाएँ	6			6	10 %
5.	संकेत प्रयोग विज्ञान/ प्रकरणार्थ विज्ञान (प्रैग्मटिक्स) की परिभाषा, विकास एवं क्षेत्र, प्रैग्मटिक्स के दो मुख्य संप्रदाय	3		1	4	10 %
6.	संवादात्मक निहितार्थ -I (Conversational implicature) (I): शास्त्रीय ग्रिसियन प्रैग्मटिक्स सिद्धांत (classical Gricean theory of conversational), संवादात्मक निहितार्थ (implicature)	5			5	10 %
7.	संवादात्मक निहितार्थ-II (Conversational implicature (II): neo-Griciean pragmatic theory) नव ग्रिसियन प्रैग्मटिक्स सिद्धांत, होर्नस् के संवादात्मक निहितार्थ की व्याख्या (Horn's typology of conversational implicature) , लेविंसन की व्याख्या (Levinson's typology)	4	1		5	10%
8.	परंपरागत निहितार्थ (Conventional implicature): परिभाषा एवं प्रकृति परंपरागत एवं संवादात्मक निहितार्थ में अंतर	5			5	10%
9.	वाक्-व्यापार-I (Speech acts (I)) निष्पादन बनाम अचर (Performative vs. constative), स्पष्ट/बहिर्मुखी बनाम निहित/अंतर्मुखी निष्पादन (explicit vs. implicit performative), स्पष्ट/बहिर्मुखी निष्पादन की वाक्य रचना और अर्थ गुण (syntactic and semantic properties of explicit performative), ऑस्टिन की फेलिसिटी की स्थिति (Austin's felicity conditions.)	6	1	1	8	10 %
10.	वाक्-व्यापार-II (Speech acts (II)) वचन व्यापार (Locutionary), वचनेतर व्यापार (illocutionary) एवं प्रभावी वचन व्यापार (perlocutionary speech acts), सर्ल की फेलिसिटी की स्थिति (Searle's felicity conditions), वाक्-व्यापार की व्याख्या (typology of speech acts), अप्रत्यक्ष वाक्-व्यापार (indirect speech acts), विनम्रता, वाक्-व्यापारऔर संस्कृति	6	1	1	8	10 %

	(politeness, speech acts and culture.)					
योग		**48**	**5**	**7**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
3. उपर्युक्त पाठ्यचर्या में अध्यापक/शिक्षक आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसारण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगम (actional) आदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	कंप्यूटर समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (Flipped Classroom) , ब्लेंडेड अधिगम (Blended learning) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, ICT उपादान, कंप्यूटर प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11	लक्ष्य 12	लक्ष्य 13	लक्ष्य 14	लक्ष्य 15
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	**X**	-	-	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार /पाठ्य ग्रंथ	1. डॉ. ब्रजमोहन. (2009). *अर्थविज्ञान*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. 2. Raja, K. Kunjunni. (1963). Indian Theory of Meaning. Madras: Adyar Library and Research Centre. 3. Lyons, John. (1995). *Linguistic semantics*. Cambridge: Cambridge University Press. 4. Huang, Yan. (2014). *Pragmatics*, 2nd edition. (Oxford Textbooks in Linguistics). Oxford University Press. 5. Levinson, S.C. (1983). *Pragmatics*. Cambridge: Cambridge University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	डॉ. ब्रजमोहन. (1986). *शब्द चर्चा*. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन. डॉ. ब्रजमोहन. (2009). *अर्थविज्ञान*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. वर्मा, रामचंद्र. (1968). *शब्दार्थ दर्शन*. इलाहाबाद : रचना प्रकाशन. वर्मा, रामचंद्र. (1970). *अच्छी हिंदी*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन. वाजपेयी, किशोरीदास. (सं. 2023). *हिंदी शब्दानुशासन*. वाराणसी : नागरी प्रचारिणी सभा. शर्मा, राजमणि. (1983). *आधुनिक भाषा विज्ञान*. वाराणसी : महाशक्ति साहित्य मंदिर, चौखम्बा. सक्सेना, बाबूराम. (1948). *अर्थविज्ञान*. पटना युनिवर्सिटी, पटना. Leech, G. (1974). *Semantics*. London: Penguin. Lepore, E. (ed.). (1970). *New Directions in Semantics*. New York: Academic Press. Miller, G. & Johnson-Laird, P. (1976). *Language and Perception*. Cambridge: Harvard University Press. Palmer, F. (1976). *Semantics: A New Outline*. Cambridge: Cambridge University Press. Platts, Mark. (1997). *Ways of Meaning*. The MIT Press. Schiffer, S. (1988). *Meaning*. 2nd Ed. Oxford: OUP. Wierzbicka, A. (1996). *Semantics: Prime and Universals*. Oxford: OUP. Lehrer, K. & Lehrer, A. (ed.) (1970). *Theory of Meaning*. N.J.: Prentice-Hall. Bahari, Har Deo. (1959). *Hindi Semantics*. Allahabad: Bharati Press Publications. Bloomfield, L. (1934). *Language*. Delhi: Motilal Banarasi Das. Fodor, J.D. (1977). *Semantics: Theories of Meaning in Generative Grammar*. New York: Cromwell. Ogden & Richards. (1936). *The Meaning of Meaning*. London: Kegan Paul, Trench, Trubur & Co. Ltd.
3	ई-संसाधन	https://www.youtube.com/watch?v=A7pUbA_96Dw https://www.youtube.com/watch?v=dsPswzOBsK0&t=15s https://www.youtube.com/watch?v=6geQjY8b7sA https://www.youtube.com/watch?v=e_3h0fB8Rhg

		https://www.youtube.com/watch?v=N_mxmQOVpnQ https://www.youtube.com/watch?v=CGJGIWqnSFY https://www.youtube.com/watch?v=rzxyjFHh-y8
4	अन्य	शिक्षक द्वारा उपलब्ध करायी गयी सामग्री

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(अधिष्ठाता)

1. पाठ्यचर्या का नाम: अनुवाद समीक्षा एवं मूल्यांकन
(Name of the Course) : Translation: Review and Evaluation

2. पाठ्यचर्या का कोड: PGDT-203
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** द्वितीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	34
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	18
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) **:** इस पाठ्यचर्या में अनुवाद समीक्षा एवं मूल्यांकन से संबंधित मॉड्यूल हैं। इस पाठ्यचर्या में अनुवाद समीक्षा व मूल्यांकन के अर्थ का बोध कराते हुए उनकी परिभाषा की जाएगी, उनके प्रकार को बताया जाएगा। साथ ही अनुवाद समीक्षा और मूल्यांकन के मानदंडों का ज्ञान कराते हुए अनुवाद समीक्षा और मूल्यांकन की पद्धतियों का बोध कराया जाएगा और उनके अनुप्रयोग को बताया जाएगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

i. अनुवाद समीक्षा व उसके प्रकार का ज्ञान व बोध।
ii. अनुवाद मूल्यांकन व उसके प्रकार का ज्ञान व बोध।
iii. अनुवाद समीक्षा की पद्धति का बोध व उसका अनुप्रयोग।
iv. अनुवाद मूल्यांकन की पद्धति का बोध व उसका अनुप्रयोग।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
1	1. अनुवाद समीक्षा : अर्थ एवं परिभाषा 1.1. अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता	4	1	2	7	10
2	2. अनुवाद मूल्यांकन : अर्थ एवं परिभाषा 2.1. अनुवाद मूल्यांकन की आवश्यकता	4	1	2	7	10
3	3. अनुवाद समीक्षा के प्रकार 3.1. साहित्यिक अनूदित पाठ की समीक्षा 3.2. साहित्येतर अनूदित पाठ की समीक्षा	4	1	2	7	15
4	3. अनुवाद समीक्षा की पद्धतियाँ	6	1	2	9	15
5	5. अनुवाद मूल्यांकन के प्रकार 5.1. पाठधर्मी मूल्यांकन 5.2. प्रभावधर्मी मूल्यांकन	4	1	2	7	15
6	6. अनुवाद मूल्यांकन के चरण 6.1. अर्थ की परिशुद्धता 6.2. प्रयुक्त भाषाई अभिव्यक्तियों की गुणवत्ता 6.3. तकनीकी/एवं औपचारिक जाँच	4	1	2	7	10

7	7. अनुवाद मूल्यांकन की पद्धतियाँ 7.1. पुनरानुवाद मूल्यांकन 7.2. अनुक्रिया आधारित मूल्यांकन	4	1	2	7	10
8	8. अनुवाद मूल्यांकन के मानदंड 8.1. अर्थ 8.2. शब्दों का प्रयोग एवं भाषाई अभिव्यक्तियाँ 8.3. त्रुटियाँ 8.4. सुसंगतता	4	1	4	9	15
योग		**34**	**8**	**18**	**60**	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
3. उपर्युक्त पाठ्यचर्या में अध्यापक/शिक्षक आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसारण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगम (actional) आदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	कंप्यूटर समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (Flipped Classroom) , ब्लेंडेड अधिगम (Blended learning) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, ICT उपादान, कंप्यूटर प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

1. **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	सिंह, सुरजभान. (2008). हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना. दिल्ली : साहित्य सहकार. गुप्ता, विभा. (2007). *अनुवाद के भाषिक पक्ष.* नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi.* Amsterdam: John Benjamins Publishing Company. Maier, Carol. (2000). *Evaluation and Translation: Special Issue of "The Translator".* NY: Routledge.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Munday, Jeremy. (2012). *Evaluation in Translation: Critical points of translator decision-making.* NY: Routledge. House, Juliane. (2015). *Translation Quality Assessment: Past and Present.* NY: Routledge.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	शिक्षक द्वारा उपलब्ध करायी गयी सामग्री

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(अधिष्ठाता)

अनुवाद : प्रकार एवं क्षेत्र
(Translation: Types and Domains)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**34**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**16**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**10**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम: अनुवाद के प्रकार एवं क्षेत्र
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: PGDT-204
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: O4 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण **(**Description of Course):
अनुवाद के प्रकार और अनुवाद के क्षेत्रों की चर्चा अनुवाद अध्ययन के ज्ञान क्षेत्र का एक आवश्यक पक्ष है| अनुवाद कार्य के मर्म को समझने के लिए अनुवाद के प्रकार को समझना बहुत ज़रूरी है ताकि अनुवादक अनुवाद के प्रकार के आधार पर अनुवाद की प्रक्रिया का सही चयन कर सके| इस पाठचर्या में अनुवाद के प्रकार के विभाजन के चार आधार सुझाएँ गये है- रोमन योकोब्सन के अनुसार, प्रकृति के आधार पर, भाषा पाठ के आधार पर और भाषा शैली के आधार पर| अनुवाद कार्य केवल ज्ञान विधा न होकर एक व्यवहार विधा है, जिसका महत्व विभिन्न क्षेत्रों में है| वैसे तो अनुवाद का क्षेत्र हमारी आशाओं और अपेक्षाओं से भी ज्यादा विस्तृत हैं परन्तु साहित्य,शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और कार्यालयों में अनुवाद कार्य का प्रभावी रूप देखने को मिलता है|

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):
1. विद्यार्थी को अनुवाद के प्रकार का विस्तृत ज्ञान प्राप्त होगा |
2. अनुवाद के प्रकार को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी अनुवाद प्रक्रिया का सही चयन कर पायेगा|
3. अनुवाद के क्षेत्र और उनके महत्व का बोध होगा|
4. अनुवाद के क्षेत्र में पेशेवर अनुवादक बनने के लिए किन विशेषताओं की जरूरत होती है, इसके बारे में विद्यार्थी में जागरूकता पैदा होगी|
6. अनुवाद के विभिन्न प्रकार के आधार पर अनुवाद अभ्यास|

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	निर्धारित अवधि (घंटे में)				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
	विवरण	व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
1.	1 रोमन योकोब्सन के अनुसार अनुवाद के प्रकार अंतःभाषिक अनुवाद अंतरभाषिक अनुवाद अंतरप्रतीकात्मक अनुवाद 2 प्रकृति के आधार पर अनुवाद के प्रकार शब्दानुवाद भावानुवाद छायानुवाद सारानुवाद आशु अनुवाद	3		1	3	5%
2.	3 भाषा-पाठ प्रकार के आधार पर गद्य अनुवाद पद्य अनुवाद छन्दमुक्तानुवाद 4 भाषा शैली के आधार पर साहित्यिक अनुवाद शास्त्रीय अनुवाद	3			3	5%

	6. अंतरप्रतीकात्मक अनुवाद					
3.	1. साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद साहित्यिक अनुवाद(गद्यानुवाद,पद्यानुवाद) गद्यानुवाद- कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, लघु-कथाएँ 2. अन्य कला माध्यम और अनुवाद	3			3	5%
4.	साहित्येतर क्षेत्रों में अनुवाद 1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी 2. कार्यालयीन अनुवाद 3. जनसंचार:दृश्य, श्रव्य सामग्री एवं अनुवाद फिल्म-अनुवाद, एवं कार्टून कार्यक्रमों की (डबिंग, सबटाइटलिंग), समाचारों का अनुवाद, 4. आशु अनुवाद के क्षेत्र	3			3	5%
5.	साहित्यिक सामग्री का अनुवाद अभ्यास साहित्यिक अनुवाद(गद्यानुवाद, पद्यानुवाद) गद्यानुवाद- कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, लघु-कथाएँ अन्य कला माध्यम और अनुवाद अनुवाद अभ्यास	02	03	10	15	25%
6.	साहित्येतर क्षेत्र : अनुवाद अभ्यास 1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी 2. कार्यालयीन अनुवाद	02	03	10	15	25%
7.	मीडिया अनुवाद –अभ्यास जनसंचार: दृश्य, श्रव्य सामग्री एवं अनुवाद फिल्म-अनुवाद, एवं कार्टून कार्यक्रमों (डबिंग,सबटाइटलिंग), समाचारों का अनुवाद	02	03	10	15	25%
8.	आशु अनुवाद के क्षेत्र	3			3	5%
योग		**21**	**09**	**30**	**60**	**100 %**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
3. उपर्युक्त पाठ्यचर्या में अध्यापक/शिक्षक आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम**,** आगमनात्मक उपागम**,** निगमनात्मक उपागम**,** एकीकृत उपागम**,**
विधियाँ	निगमनात्मक विधि, कथनविधि, व्याख्यान विधि, दृष्टांत विधि, संवाद विधि, शोध आलेखों की समीक्षा, संगोष्ठी/परिचर्चा**,** व्यष्टि अध्ययन, व्याख्यान-सह-चर्चा,केंद्रित समूह चर्चा, परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
तकनीक	ऑडियो वीडियो व्याख्यान, कहूट के माध्यम से प्रश्नोत्तर क्विज, ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम**,** गूगल मीट), अभ्यास, वार्तालाप
उपादान	कंप्यूटर, पाठ्यपुस्तक, पत्र-पत्रिकाएँ, सहायक पुस्तकें, श्यामपट्ट, चित्र, गूगल बुक्स**,** विकिबुक्स आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**-**	**-**	**X**	**X**	**-**	**X**	**-**

टिप्पणी:

1 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी** (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. कुमार सुरेश, डॉ(2007).अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा.वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Chaudhri, sukanta (1999).translation and understanding. Delhi Oxford. 2. Das, Bijay kumar(1998).The Horizon Of Translation Studies. Delhi Atlantic 3. Baker, Mona.Translation and Conflict.(2018): Routledge 4. Paul, Bandia, ,Translation as Reparation(2008) :Routledge 5. Bassnett, Susan Translation Studies(2013).Routledge
3	ई-संसाधन	**1- https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/47235/8/08_chapter%204.pdf** **2- http://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/49563/1/Unit-13.pdf** **3- http://egyankosh.ac.in/handle/123456789/14076**

		4- https://whatsknowledge.com/career-in-language-translation-in-india/
4	अन्य	-

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(अधिष्ठाता)

1. पाठ्यचर्या का नाम: परियोजना कार्य
(Name of the Course): Project Work

2. **पाठ्यचर्या का कोड: PGDT-205**
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: O4 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester):Second**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	11
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	49
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):
पाठ्यचर्या में परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थियों को अनुवाद अभ्यास कराया जाएगा। विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार पाठ का चयन करेगा और परियोजना प्रस्ताव को तैयार कर विभाग के समक्ष प्रस्तुत करेगा। विभाग द्वारा परियोजना कार्य की लिखित स्वीकृति एवं शोध-निर्देशक तय हो जाने के बाद ही अनुवाद परियोजना का कार्य शुरू होगा। इस परियोजना में आशु अनुवाद अभ्यास अथवा साहित्यिक और साहित्येतर विधाओं से संबंधित अनुवाद कार्य को शामिल किया जा सकता है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)
1.विद्यार्थी अनुवाद संबंधी ज्ञान प्राप्त कर सकेगा।
2.विद्यार्थी में अनुवाद कौशल का विकास होगा।
3.विद्यार्थी आशु अनुवाद का अभ्यास कर सकेगा।

7. **परियोजना कार्य हेतु दिशा-निर्देश** (Guidelines for Project Work)

भाषा चयन :
स्रोत भाषा : विद्यार्थी द्वारा किसी भी भाषा का चयन किया जा सकता है।
लक्ष्य भाषा : हिंदी

1. अनुवाद कार्य पाठ्यक्रम का अनिवार्य अंग होगा, जिसे अनुवाद प्रशिक्षण कक्षा के अंतर्गत समय-सारिणी में दर्शाया जाएगा और संबंधित प्राध्यापक के मार्गदर्शन में किया जाएगा।
2. विद्यार्थी को अनुवाद कार्य के लिए ऐसे पाठ (पाठ की शब्द सीमा कम-से-कम 16000 शब्द) का चयन होगा जिसका हिंदी में अनुवाद न हुआ हो।
3. विद्यार्थी को अनुवाद कार्य के लिए एक प्रस्ताव बनाकर विभाग में प्रस्तुत करना होगा।
4. विद्यार्थी द्वारा अनुवाद परियोजना हेतु प्रस्ताव में निम्नलिखित बिन्दुओं को शामिल करना अपरिहार्य होगा:
   i. प्रस्तावित चयनित पाठ का शीर्षक **(**Title of the selected/proposed text**)**
   ii. चयनित पाठ का संक्षिप्त परिचय **(**Brief Introduction of the source text**)**
   iii. प्रस्तावित अनुवाद का उद्देश्य (Purpose of the Proposed Translation)
   iv. पाठ की प्रकृति और उपादेयता **(**Nature and relevance of the Text **)**
   v.अनुवाद की पद्धति/प्रक्रिया/रणनीति/कार्यनीति/साधन आदि **(**Approaches/ Process/ Strategies/ Techniques/ Tools of the Translation**)**
   vi. अनूदित पाठ से अपेक्षाएँ **(**Expectations from the translated text**)**
5. अनूद्य पाठ का निर्धारण विभागीय समिति द्वारा किया जाएगा।
6. अनूद्य पाठ का आबंटन सत्र प्रारंभ होने के एक माह के भीतर कर दिया जाएगा।
7. विद्यार्थी को मानव साधित अनुवाद करना होगा, जो विभागीय प्रयोगशाला में अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत किया जाएगा।

8. विद्यार्थी द्वारा किए गए अनुवाद कार्य की विभागीय समिति द्वारा प्रतिमाह जाँच की जाएगी और विद्यार्थी को अनुवाद की गुणवत्ता हेतु सुझाव दिए जाएंगे।
9. विद्यार्थी को अनुवाद परियोजना में अनुवाद से संबंधित समस्याओं, चुनौतियों एवं उनके निराकरण हेतु अपनायी गयी रणनीति, प्रविधि एवं अभिगमों पर टिप्पणी कम-से-कम 4000 शब्द में करनी होगी।
10. मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किए जाने वाले अनूदित पाठ के साथ विद्यार्थी और मार्गदर्शक द्वारा इस आशय का घोषणा-पत्र/प्रमाण-पत्र नत्थी किया जाएगा कि अनुवाद कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं और मानव साधित पद्धति से किया गया है तथा कहीं प्रकाशित नहीं है।
11. मूल्यांकन प्रक्रिया विभाग द्वारा संपन्न की जाएगी।
12. परियोजना कार्य कुल 3 क्रेडिट की होगी और उसके मूल्यांकन हेतु आयोजित मौखिकी 1 क्रेडिट की होगी।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि(घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्युटोरियल	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला		
1	पाठ चयन एवं निर्धारण	1		02	03	5%
2	अनुवाद कार्य अभ्यास	10		47	57	95%
योग		**11**		**49**	**60**	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
3. उपर्युक्त पाठ्यचर्या में अध्यापक/शिक्षक आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसारण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगम (actional) आदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	कंप्यूटर समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (Flipped Classroom) , ब्लेंडेड अधिगम (Blended learning) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, ICT उपादान, कंप्यूटर प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

परिणाम की प्राप्ति								

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	सिंह, सुरजभान. (2008). हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना. दिल्ली : साहित्य सहकार. गुप्ता, विभा. (2007). *अनुवाद के भाषिक पक्ष.* नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi.* Amsterdam: John Benjamins Publishing Company. Maier, Carol. (2000). *Evaluation and Translation: Special Issue of "The Translator".* NY: Routledge.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Munday, Jeremy. (2012). *Evaluation in Translation: Critical points of translator decision-making.* NY: Routledge. House, Juliane. (2015). *Translation Quality Assessment: Past and Present.* NY: Routledge.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	शिक्षक द्वारा उपलब्ध करायी गयी सामग्री

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(अधिष्ठाता)